अध्यक्ष लिखते हैं

हेनरी राजेंद्र

छात्रों के लिए सही बात — और राजनीतिक रूप से सबसे समझदारी भरा मार्ग

NSW का हर शिक्षक यह जानता है कि तैयारी के समय का क्या महत्व है। यह वह समय है जब हम कक्षा में छात्रों को पढ़ाए जाने वाले पाठ की योजना बनाते हैं। यह वह समय है जब हम किसी ऑक्यूपेशनल या स्पीच थेरेपिस्ट से किसी ऐसे छात्र के बारे में बात करते हैं जिसकी आवश्यकताएँ बदल गई हैं। यह वह समय है जब हम काम को ठीक ढंग से जाँचते हैं, अभिभावकों को फ़ोन करते हैं, आज की कक्षा के आधार पर अगले दिन पढ़ाए जाने वाले पाठ को समायोजित करते हैं।

सबसे बुनियादी शब्दों में, यह वह समय है जिसका इस्तेमाल हम अच्छी तरह से पढ़ाने के लिए करते हैं।

यह समय काम के अनुरूप तालमेल नहीं बैठा पाया है। अभी भी NSW के प्राइमरी शिक्षक प्रति सप्ताह लगभग दो घंटे तैयारी का समय प्राप्त करते हैं — जिसमें 1980 के दशक से कोई बदलाव नहीं आया है।

1950 के दशक से सेकेंडरी शिक्षकों के लिए इस समय में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है।

इसी बीच, NSW के पब्लिक स्कूलों में विकलांगता से ग्रस्त छात्रों की संख्या 75 प्रतिशत बढ़कर 220,000 से अधिक हो गई है, जिनमें से 86 प्रतिशत मेनस्ट्रीम सेटिंग में पढ़ रहे हैं, और पाठ्यक्रम में बदलाव आता रहता है। सांस्कृतिक और भाषाई विविधता और गहरी हुई है।

हमारा काम हर तरह से अधिक जटिल और बहुत अपेक्षाएँ रखने वाला है, फिर भी अनुकूल बनाने की स्थितियाँ वैसे ही स्थिर हैं।

सबसे पहला और महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि छात्रों के प्रति हमारा क्या दायित्व है। इस बारे में सबूत मौजूद हैं। गैलप इंक्वायरी (Gallop Inquiry) ने अत्यावश्यकता के रूप में प्रति सप्ताह तैयारी के लिए अतिरिक्त दो घंटे देने की सलाह दी थी। यह चार साल पहले की बात है।

NSW पब्लिक स्कूलों के प्रत्येक छात्र को ऐसे शिक्षक का अधिकार है जिसके पास उनके लिए योजना बनाने के लिए समय और क्षमता हो। जो उनकी आवश्यकताओं को समझे और पढ़ाए जाने वाले पाठ को सही ढंग से पेश करे। तैयारी के समय के लिए यही नैतिक तर्क है– और यही रहेगा, फिर चाहे मुद्दा राजनीतिक रूप से लोकप्रिय हो या नहीं।

लेकिन जैसा कि होता है, यह बहुत अधिक लोकप्रिय है।

Authorised by Maxine Sharkey, General Secretary, NSW Teachers Federation, 22-33 Mary Street, Surry Hills NSW 2010.

हमने Redbridge Group को इस मुद्दे पर लोगों की राय जानने के लिए कहा — यह सरकार के लिए तैयारी के समय को महत्वपूर्ण नजरिये से देखना ज़रूरी बनाता है। जब 2000 से अधिक NSW मतदाताओं से पूछा गया कि पब्लिक शिक्षा में किस चीज़ से सबसे अधिक सुधार होगा, तो 42 प्रतिशत लोगों ने कहा 'शिक्षकों में निवेश करना और उनके महत्व को पहचानना' । इस विकल्प को अन्य विकल्पों की तुलना में दोगुने से भी ज़्यादा समर्थन मिला। लेबर, कोएलिशन और ग्रीन्स मतदाताओं के मध्य काफी समर्थन मिला।

फोकस ग्रुप में हिस्सा लेने वाले लोगों से और भी अधिक समर्थन मिला।

अभिभावकों ने आधुनिक कक्षा का वर्णन ऐसे शब्दों में किया जिसे कोई भी शिक्षक पहचान लेगा, उन्होंने "सभी विभिन्न आवश्यकताओं को समायोजित करने" की ज़रूरत के बारे में बात की और पिछले दशकों की कक्षाओं के साथ तुलना करते हुए इन्हें "बिलकुल अलग" बताया।

महत्वपूर्ण बात यह है कि समर्थन प्रबल है। जब मतदाताओं के सामने यह तर्क रखा गया कि तैयारी के समय में निवेश करने से अन्य सरकारी प्राथमिकताओं से ध्यान भटकेगा, तब भी नेट समर्थन 50 प्रतिशत से ऊपर ही था।

फोकस ग्रुप्स में, यह तर्क रखने से क्रोध दिखा। एक मतदाता ने इसके बारे में कुछ ऐसे कहा, "यह कहना कि शिक्षा उतनी महत्वपूर्ण नहीं है ⋯ इससे मुझे दुःख पहुँचता है" । मतदाता इस ट्रेड-ऑफ फ्रेमिंग को गलत विकल्प मानते हैं, और वे इसका विरोध करते हैं।

Minns सरकार ने पब्लिक शिक्षा पर वास्तव में महत्वपूर्ण कार्य किया है। पूरे दशक में पहली बार हमारे पास अच्छे वेतन हैं, फंडिंग को गोंस्की स्टैंडर्ड (Gonski standard) तक बढ़ाने की प्रतिबद्धता है और हज़ारों शिक्षकों को स्थायी किया गया है।

तैयारी के समय पर सहमति से वे पब्लिक शिक्षा को दोबारा स्थापित करने के बारे में बड़ी उपलब्धि हासिल कर पाएँगे। वास्तव में, जब मतदाताओं को इस बारे में पता चला कि यह नीति फेडरेशन द्वारा समर्थित है तो उनकी इस नीति को समर्थन देने की संभावना 23 प्रतिशत अधिक थी। इससे हज़ारों शिक्षक भी सक्रिय रूप से दोबारा स्थापित करने की वास्तविकता के बारे में बता पाएँगे।

तैयारी के समय के मुद्दे की शुरूआत छात्रों से होती है।

राजनीतिक मुद्दा यह है कि उनके साथ सही करना ही सरकार के लिए सबसे समझदारी भरा काम हो सकता है।

Authorised by Maxine Sharkey, General Secretary, NSW Teachers Federation, 22-33 Mary Street, Surry Hills NSW 2010.